चार साल तक 50-55 हजार छात्रवृत्ति, 2 लाख अनुदान

आईआईएम में पीएचडी प्रोग्राम: 10 मई तक कर सकते हैं आवेदन

रायपुर @ पत्रिका. भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) ने पूर्णकालिक पीएचडी कार्यक्रम 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई 2025 निर्धारित की गई है। यह चार वर्षीय कार्यक्रम वित्त पोषित है।

आईआईएम के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने बताया कि डॉक्टोरल कार्यक्रम चार वर्षों का है। इसे तीन चरणों में बांटा गया है। जिसमें प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाएं, विशेषज्ञता और डॉक्टोरल शोध प्रबंध शामिल हैं। इसमें अर्थशास्त्र और सार्वजनिक नीति, वित्त और लेखा, मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार, मानविकी और लिबरल आर्ट्स, सूचना प्रणाली, विपणन, संचालन और मात्रात्मक तकनीकों, रणनीति और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में शोध के अवसर दिए जाते हैं। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

शोध उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जाती है। जिसमें पहले दो वर्षों के लिए प्रति माह 50 हजार रुपए की छात्रवृत्ति और उसके बाद के वर्षों के लिए 55 हजार रुपए की छात्रवृत्ति दी जाती है। इसके अलावा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के लिए 2 लाख की अनुदान राशि दी जाती है। वहीं आकस्मिक अनुदान और शोध-संबंधित संसाधनों के लिए एक बार 50 हजार रुपए की सहायता भी दी जाएगी।

कौन कर सकते है आवेदन?

ऐसे उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं जिनके पास गेट, जीआरई, जीमैट, जेआरएफ (यूजीसी/सीएसआईआर), यूजीसी नेट स्कोर (1 जुलाई 2023 के बाद का) हो और जिन्होंने आईआईएम से परास्नातक/पीजीपी या समकक्ष (न्यूनतम 55% अंक) प्राप्त किया हो। इसके अलावा सीए/आईसीडब्ल्यूए और स्नातक डिग्री धारक, सीएस और बीकॉम (न्यूनतम 60% अंक), चार वर्षीय बीई/बीटेक/बीआर्क (न्यूनतम 6.5 सीजीपीए) या पांच वर्षीय एकीकृत परास्नातक (न्यूनतम 60% अंक) प्राप्त करने वाले भी पात्र हैं।

Patrika(Zoom), 18 February, 2025. P.01